

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य पालन)

देहरादून: दिनांक 04 अगस्त, 2015

विषय- वित्तीय वर्ष 2015-16 में मत्स्य विभाग को राज्य योजना एवं 75 प्रतिशत केन्द्र पोषित शीत जल मात्स्यिकी का विकास योजनान्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-155/अनु0जाति(SCSP)/2015-16, दिनांक 12 मई, 2015 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-645/XXVII(1)/2015, दिनांक 04 जून, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2015-16 में मत्स्य विभाग को स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत मत्स्य पालन संबंधी योजना कार्यक्रम अन्तर्गत मैदानी तालाब निर्माण, पर्वतीय तालाब निर्माण, प्रशिक्षण, गोष्ठी, प्रचार प्रसार एवं साहित्य वितरण के कार्यों हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार कुल रु० 30.00 लाख (रुपये तीस लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि की फॉट निदेशक, मत्स्य द्वारा करके आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा शासन को अवगत कराया जायेगा।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो समक्ष अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जायेगा।
3. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-०८ पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
4. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं कय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा, ताकि मासिक आधार पर व्यय की सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लिया जा सकेगा।

7. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी0जी0एस0एन0डी0 की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये। वित्त अनुभाग

8. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-00-आयोजनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-03-मत्स्य पालन संबंधी कार्यक्रम-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-49(P)/XXVII-(1)/2015, दिनांक 27 अगस्त, 2015 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)

प्रमुख सचिव

संख्या- 02 ()/XV-3/08(15)/2007(मत्स्यबजट)(SCSP) तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, मा० मंत्री, मत्स्य को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
6. वित्त अनुभाग-4, /नियोजन विभाग/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

उप सचिव

शासनादेश संख्या- ०७ /XV-2/08(15)/2007(मत्स्यबजट)(SCSPद्वारा दिनांक 1.08.2015
का संलग्नक

अनुसूचित जाति उपयोजना (स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान सब प्लान) अन्तर्गत जनपदवार वित्तीय विवरण (रु० 30 लाख के सापेक्ष) :-

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० स०	जनपद	मदवार वित्तीय वितरण			
		मैदानी निर्माण	तालाब निर्माण	पर्वतीय तालाब निर्माण	प्रचार-प्रसार एवं साहित्य वितरण
1.	उत्तरकाशी	-	2.10	-	2.10
2.	टिहरी	-	2.10	-	2.10
3.	चमोली	-	2.10	-	2.10
4.	रुद्रप्रयाग	-	1.26	-	2.26
5.	पौड़ी	-	2.10	-	2.10
6.	देहरादून	-	2.10	-	2.10
7.	पिथौरागढ़	-	2.10	-	2.10
8.	अल्मोडा	-	2.10	-	2.10
9.	बागेश्वर	-	2.10	-	2.10
10.	चम्पावत	-	2.10	-	2.10
11.	नैनीताल	-	2.10	-	2.10
12.	उधमसिंहनगर	3.92	-	0.20	4.12
13.	हरिद्वार	3.43	-	0.19	3.62
योग:-		7.35	22.26	0.39	30.00

(डा० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव